चाबी ताले की बहना

चाबी ताले की बहना जनों जनों जाए मांगे.....

यह चाबी बेटे ने मांगी,
मैं तो दे देती री बहना सेवा कबहु ना किनी,
चाबी ताले की बहना जनों जनों जाए मांगे.....

यह चाबी बहूओ ने मांगी,
मैं तो दे देती री बहना आदर कबहु ना किनो,
चाबी ताले की बहना जनों जनों जाए मांगे.....

यह चाबी बेटी ने मांगी,
मैं तो दे देती री बहना कहना कबहु ना मानो,
चाबी ताले की बहना जनों जनों जाए मांगे.....

यह चाबी पोते ने मांगी,
मैं तो तेरी तेरी बहना लढिया कबहु ना पकड़ी,
चाबी ताले की बहना जनों जनों जाए मांगे.....

यह चाबी राजा ने मांगी,
मैं तो दे देती री बहना दिल की कबहु ना पूछी,
चाबी ताले की बहना जनों जनों जाए मांगे.....

यह चाबी सतगुरु ने मांगी,
मैंने ना दीनी री बहना खुनटी पर धर दीनी,
चाबी ताले की बहना जनों जनों जाए मांगे.....

धर्मराज को आयो रे बुलावो,
छोड़ो सब चल दीनी री बहना जनों जनों याहे मांगे,
चाबी ताले की बहना जनों जनों जाए मांगे.....

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/27706/title/chabi-taale-ki-behna

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |